नरसी का भात

भक्तों पर कृपा करें , साँवल शाह सरकार
भात भरण को आ गए , जब नरसी करी पुकार

नरसी बोले अरज सुनो , है गोवर्धन गिरधारी
नानी बाई बाट निहारे , राखो लाज हमारी

सिरसा गढ़ से है , मनमोहन भात की चिट्ठी आई
पढ़ पढ़ कर मेरा मन घबरावे , प्यारे कृष्ण कन्हाई
सब भक्तों की लाज बचाई .....
आज है मेरी बारी

टूटी फूटी गाड़ी मेरी , कैसे पहुंचा जाए
साथ नहीं कोई गढ़ वाला , गाड़ी कौन चलाएं
नाव डूबी कौन बचाए .....
तुम बिन बृज बिहारी

बिन भाई के बहन अकेली मेरी लाडली नानी
करके याद रोवती होगी , भर आंख्या में पानी
आज बदल दे करम कहानी .....
आजा कृष्ण मुरारी

एक भरोसा तेरा है , घनश्याम मुरलिया वाले
भूलन त्यागी कहे श्याम , बहुत के संकट ताले

आज मुझे भी आन बचाले .....
हरीश पड़ा शरण में थारी

Source: https://www.bharattemples.com/narsi-ki-bhaat/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw